STD - VI

Ch - 10

मेरा नया बचपन

PAGE NO.
Date : / /20

Date - 17.8.21 (Tuesday)

1 - प्रश्न और उत्तर

प्र-1- बचपन का आनंद कैसा होता है ?

उ - बचपन का आनंद सबसे मस्त होता है। बच्चे छोटे होते हैं, उनके मन में चिंता नहीं होता है, वे निर्भय और निष्पाप होते हैं। छुआ - छूत के बारे में उनका ज्ञान नहीं होता है।

प्र-2- बच्चे के रोते ही माँ क्या करती है ?

उ - बच्चे के रोते ही माँ आपना काम काज छोड़ कर आ जाती है, और आँसू पोंछकर चूमा देती है।

प्र-3 कवयित्री अपने बचपन को याद क्यों कर रही है ?

उ- बचपन एक ऐसा समय है जो आदमी को हमेशा याद आता है। और जब सामने बच्चे हो तो हमे हमारी बचपन की सारी घटनाएँ याद आ जाती है। ऐसा ही कुछ कवयित्री के साथ भी हुआ है। जब वह अपनी बेटी को खेलते देखती है तब उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है।

प्र-4 'माँ ओ' कहकर किसने पुकारा था ?

उ- 'माँ ओ' कहकर कवयित्री की बेटी ने उन्हें पुकारा था।

प्र-5- कवयित्री अपना खोया बचपन कैसे पा लेती है ?

उ- कवयित्री की बेटी जब मिट्टी खाकर आई थी और उनको खिलाने जा रही थी, और वह बच्ची के साथ बच्ची बनकर खेलती थी तब वह अपना खोया हुआ बचपन पा लेती थी।

PAGE NO.
Date : / /20

प्र.7 इन पंक्तियों के अर्थ स्पष्ट करो।

(क) गया, ले गया तू जीवन की
सबसे मस्त खुशी मेरी।

उ. यहाँ कवयित्री बचपन से कह रही हैं कि जब तुम मेरे जीवन से गए तब तुम अपने साथ मेरी जिंदगी की सबसे हसीन पल मुझसे छिन ले गए।

प्र.(ख) मुँह में थी आह्लाद-लालिमा,
विजय-गर्व था झलक रहा।

उ. यहाँ कवयित्री कह रही हैं कि बचपन में हमेशा मन में ऐसा आनंद और चेहरे पे ऐसी मुस्कान थी जैसे कोई रणक्षेत्र से युद्ध जीत कर आया हो।